उपराष्ट्रपति और लोकसभा अध्यक्ष ने क्षय रोग की रोकथाम पर संसद सदस्यों को संबोधित किया

...

वर्ष 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी हितधारकों को सामूहिक प्रयास करने होंगे : श्री एम वेंकैया नायडु

...

भारत वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त होने के लिये प्रतिबद्ध है: लोक सभा अध्यक्ष

...

कोविड के विरुद्ध लड़ाई के दौरान मिले अनुभवों का उपयोग टीबी उन्मूलन के लिए किया जा सकता हैः श्री बिरला

...

जन प्रतिनिधि टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को जन-अभियान बनाएँ : श्री बिरला

...

स्वास्थ्य और विकास की धारणाएँ एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं : श्री मनसुख मांडविया

...

नई दिल्ली, 09 अगस्त, 2021: आज संसद भवन परिसर में संसद सदस्यों के लिए टीबी के बारे में एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत के उप राष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति, श्री एम वेंकैया नायडु ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला; केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, श्री मनसुख मांडविया; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, डॉ भारती पी पवार और संसद सदस्य इस संवेदीकरण कार्यक्रम में शामिल हुए।

2025 तक टीबी को खत्म करने के लिए प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति श्री एम वेंकैया नायडू ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को संबोधित करने में संसद सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने आगे कहा कि संसद में इस तरह के मुद्दों को उठाने के अलावा, सदस्यों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई में जन जागरूकता अभियान में उत्प्रेरक बनने की जरूरत है। स्वतंत्रता के बाद से भारत द्वारा प्राप्त विभिन्न स्वास्थ्य संकेतकों पर महत्वपूर्ण प्रगति का उल्लेख करते हुए, श्री नायडू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि औसत जीवन प्रत्याशा बढ़कर 69.4 वर्ष हो गई है जो 1950 में 35 वर्ष थी।

श्री नायडू ने कहा कि टीबी हमारे एजेंडा में अधूरे कामों में से एक है और भारत को इसे खत्म करने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। श्री नायडू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 2000 के बाद से,

टीबी निदान और उपचार के माध्यम से अनुमानित 63 मिलियन लोगों की जान बचाई गई है। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि सामूहिक प्रयासों से भारत निश्चित रूप से 2025 तक टीबी से मुक्त हो सकता है। श्री नायडु ने टिप्पणी की कि यह संभव है कि देश ने पिछले डेढ़ वर्षों के दौरान सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से COVID-19 महामारी के खिलाफ अपनी लड़ाई में जो सफलता देखी है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति, प्रत्येक हितधारक और प्रत्येक संस्थान ने उल्लेखनीय धैर्य और दृढ़ संकल्प दिखाया है। भारत को टीबी के खिलाफ हमारी लड़ाई में टीम इंडिया की तरह सभी दलों के साथ मिलकर काम करने की भावना को जारी रखने की जरूरत है।

इस अवसर पर श्री बिरला ने कहा कि समय आ गया है कि हम संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्यों के अंतर्गत भारत को टीबी मुक्त करने के लक्ष्य को पाँच वर्ष पहले अर्थात वर्ष 2025 तक प्राप्त करने के लिए सामूहिक कार्यवाही करें। श्री बिरला ने कहा कि टीबी के उन्मूलन के लिये जन जागरूकता सबसे प्रभावी साधन है।

भारत की सामूहिक शक्ति की ताकत के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यदि हम मिलकर कोविड-19 का सफलतापूर्वक सामना कर सकते हैं, तो हम देश को आसानी से टीबी मुक्त भी कर सकते हैं। चुनौतियों के बावजूद, व्यापक अभियानों से पिछले वर्षों में इस रोग से संक्रमण और मृत्यु दर में कमी आई है और अब भारत निकट भविष्य में टीबी के उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। श्री बिरला ने कहा कि कोविड के विरुद्ध लड़ाई के दौरान मिले अनुभवों का उपयोग टीबी उन्मूलन के लिए किया जा सकता है।

जन प्रतिनिधियों की भूमिका के बारे में बात करते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि संसद सदस्य केवल व्यक्ति नहीं बल्कि संस्थाएं हैं। उनका दायित्व और जिम्मेदारियां बहुत बड़ी हैं। पंचायत से लेकर संसद तक के सभी प्रतिनिधियों को टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए इसे जन-अभियान बनाना होगा। प्रत्येक जन प्रतिनिधि को रोगियों का पता लगाने, उनके इलाज, सहायता और निगरानी के माध्यम से अपने निर्वाचन क्षेत्र को टीबी मुक्त बनाने के प्रयास करने चाहिए। जन प्रतिनिधियों को इस रोग से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए हितधारकों के साथ मिलकर काम करना होगा। श्री बिरला ने यह भी कहा कि भारत को गरीबी और कुपोषण से मुक्त करने के लिए भी प्रयास भी किए जाने चाहिए।

इससे पहले इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, श्री मनसुख मांडविया ने कहा कि स्वास्थ्य और विकास की धारणाएँ एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं। मंत्री महोदय ने वर्ष 2025 तक तपेदिक का उन्मूलन करने की भारत की प्रतिबद्धता को

दोहराया। श्री मनसुख मांडविया ने सभी हितधारकों – जन प्रतिनिधियों, लोगों और मीडिया से अपील की कि वे इस रोग के उन्मूलन के लिए मिलकर जागरूकता उत्पन्न करें।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय राज्य मंत्री, डॉ भारती पी पवार ने टी बी के सही इलाज़ और इसकी रोकथाम और भारत से इस रोग को पूरी तरह समाप्त करने के लिए मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया।

लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह ने सभी विशिष्टजनों का स्वागत किया।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय सचिव, श्री राजेश भूषण और स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में अपर सचिव, श्रीमती आरती आहूजा ने भी इस अवसर पर विशिष्टजनों को संबोधित किया।

सभी विशिष्टजनों ने टीबी के विरुद्ध भारत की लड़ाई में सहयोग करने और टीबी के बारे में लोगों को जागरूक बनाने का प्रण लिया।

इस संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन लोक सभा सचिवालय के संसदीय लोकतन्त्र शोध और प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से किया गया।